Roll No. : ..... Total Pages : 4

3381–P

B.A. IIIrd Year (Private) Examination, 2016

HINDI LITERATURE

Paper – I

(काव्य)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

(खण्ड-अ) [Marks : 20]

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(खण्ड-ब) [Marks : 50]

प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(खण्ड-स) [Marks : 30]

कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

(इकाई–I)

1. (i) कबीर का जन्म कहाँ हुआ था ?

(ii) 'जाति जुलाहा मति की धीर' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(इकाई–II)

(iii) सूरदास का संबंध कृष्णभक्ति के किस संप्रदाय से है ?

(iv) तुलसीदास की **दो** कृतियों का नामोल्लेख कीजिए।

(इकाई–III)

(v) सुंदरदास का जन्म कहाँ हुआ था ?

(vi) 'ढोला मारू रा दूहा' में वर्णित नरवर कहाँ है ?

(इकाई–IV)

(vii) नहुष कौन था ? उसका उल्लेख कहाँ मिलता है ?

(viii) निर्गुण धारा के **दो** लक्षण लिखिए।

(इकाई–V)

(ix) तपस्वी जिसरा क्या चाहता था ?

(x) सूफी काव्य धारा के **दो** कवियों का नामोल्लेख कीजिए।

खण्ड-ब

(इकाई–I)

2. कबीर की सामाजिक चेतना पर विचार दीजिए।

3. सूफी संप्रदाय से जायसी के संबंध पर रोशनी डालिए।

(इकाई–II)

4. निम्नांकित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

मधुकर! स्याम हमारे चोर।
मन हरि लियो साँवरी सूरत, चितै नयन की कोर।।
पकर्‌यौ तेहि हिरदय उर अंतर प्रेम प्रीत के जोर।
गए छुड़ाए छोरी सब बंधन दे गए हँसनि अँकोर।।
सोवत ते हम उचकि परि हैं दूत मिल्यौ मोहिं भोर।
सूर स्याम मुसकाहि मेरो सर्वस ले गए नंद किसोर।।

5. तुलसी की समन्वय भावना पर सोदाहरण विचार दीजिए।

(इकाई–III)

6. मीरां की भक्ति भावना पर एक टिप्पणी लिखिए।

7. निम्नांकित अंश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

ढाढ़ी एक संदेश ड़इ, ढोलइ लगि लइ जाइ।
जोवण फट्‌टी तलावड़ी, पालि न बंधउ काँइ।

(इकाई–IV)

8. 'नहुष' की कथा का सार लिखिए।

9. 'नहुष' के काव्य रूप पर विचार कीजिए।

(इकाई–V)

10. कृष्ण भक्ति संप्रदायों का परिचय दीजिए।

11. भक्ति के सामाजिक-सांस्कृतिक आधार पर रोशनी डालिए।

खण्ड-स

(इकाई–I)

12. जायसी के 'पद्मावत' की चरित्र योजना का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

(इकाई–II)

13. रसखान की भक्ति भावना का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

(इकाई–III)

14. 'नहुष' के कथा स्रोत और मैथिलीशरण गुप्त द्वारा उनके काव्य में उपयोग पर विचार दीजिए।

(इकाई–IV)

15. 'ढोला मारू रा दूहा' के पठित अंश में वर्णित लोक जीवन पर सोदाहरण रोशनी डालिए।

(इकाई–V)

16. मध्यकालीन भक्ति आंदोलन के दार्शनिक आधार पर विचार कीजिए।